मा।ध्यमिक स्कूलों में निर्देशन ------ अभिभा।वकों के लिए सूचना।

प्रा।थमिक स्कूल के शिक्षक एक व अधिक सा।लों तक पढाने के बा।द बच्चों तथा। उनके परिवा।रों को अच्छी तरह पहचा।न लेते हैं। मा।ध्यमिक स्कूल के बच्चे एक ठेठ सप्ता।ह में 14 से ऊपर शिक्षक तथा। अन्य स्कूल कर्मचा।री से मिलते हैं।

अत: निर्देश शिक्षक की भूमिका। (अक्सर सहा।यता। शिक्षक के ना।म से पहचा।न) इस प्रका।र है :

छा।त्र संबंधित:

** छा।त्रों को व्यक्तिगत स्तर पर जा।नना।, स्कूल के अंदर व बा।हर उनकी कुशलता। का। ख्या।ल
** उनके व्यक्तिगत, शैक्षणिक, व्यवसा।यिक एवं सा।मा।जिक विका।स को 1:1 का।र्य तथा। व्यक्तिगत,सा।मा।जिक,शैक्षणिक का।र्यक्रम द्वा।रा। प्रोत्सा।हित करना।
** शैक्षणिक व व्यक्तिगत लक्ष्य को निर्धा।रित करने में उनकी मदद करना।
** पा।रण बिंदूओं पर अतिरिक्त सहा।यता। देना। (जैसे p7 सेs1,s2 सेs3,s4 के बा।द)
** अन्य सेवा।ओं के लिए मा।र्ग बिंदू बना।ना। जैसे careers
** स्कूल अधिका।रियों के सा।थ ऊपर दी हुई बा।तों पर सम्पर्क करना।
** जँहा। बच्चे को व्यक्तिगत दिक्क्त हो वहँा। अतिरिक्त मदद या। इसकी सुविधा। उपल्बध करना।
** अन्य सेवों के संग जैसे educational welfare (शैक्षणिक कल्या।ण), psychological services(मनोवैज्ञा।निक सेवा।एँ), working together services(संलग्न सेवा।एँ), children's hearing system (बच्चों की संस्था।--सुनवा।ई) social work dept(सा।मा।जिक का।र्य विभा।ग) संबंध स्था।पित करना।
** बा।हरी सेवा।ओं को रिपोर्ट देना।

अभिभा।वक संबंधित :

** अभिभा।वक से संपर्क का। प्रथम बिंदु
** अभिभा।वक के संग लगा।तार संबंध विकसित करना।
** अभिभा।वक को औपचा।रिक व अनौपचा।रिक तरीके से सा।मान्य कुशलता। तथा। विका।स पर रिपोर्ट देना।
** अन्य सेवा।ओं के लिए कडी का। का।म करना।

अभिभावकों को चाहिए कि वे निर्देश शिक्षक को अपने बच्चे के शैक्षणिक पहलू का पहला बिंदू बनाऐं। ये आपकी तथा आपके बच्चे की सहायता के लिऐ हैं, जिससे बच्चे को उच्च शिक्षा मिल सके। बिना झिझक अपनी चिंता इनसे कहें, फोन से या मिलकर।

आपके बच्चे का निर्देश शिक्षक
है.....

इनसे सम्पर्क
करें.....

अगर आपको ईंटरप्रेटर की आवशयकता हो तो कृपया स्कूल कार्यालय से पूछें या **interpretation / translation** सेवा से सम्पर्क करें : **(0131) 2428181**

cec eal service 2005